श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

नई रेलवे
नया जम्मू और कश्मीर

(2014 - मार्च, 2024)

देश को गति रेल से
प्रगति भी रेल से

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

पूंजीगत निवेश

- 2009–14 की तुलना में 2014–24 के दौरान जम्मू और कश्मीर में रेल नेटवर्क में दुगुना निवेश

औसत वार्षिक बजट परिव्यय		
2009 - 14	**2014 - 24**	**% वृद्धि**
₹ 1,044 करोड़	₹ 6,003 करोड़	475%

- जम्मू और कश्मीर में रेलवे के औसत सालाना परिव्यय में 475% की वृद्धि

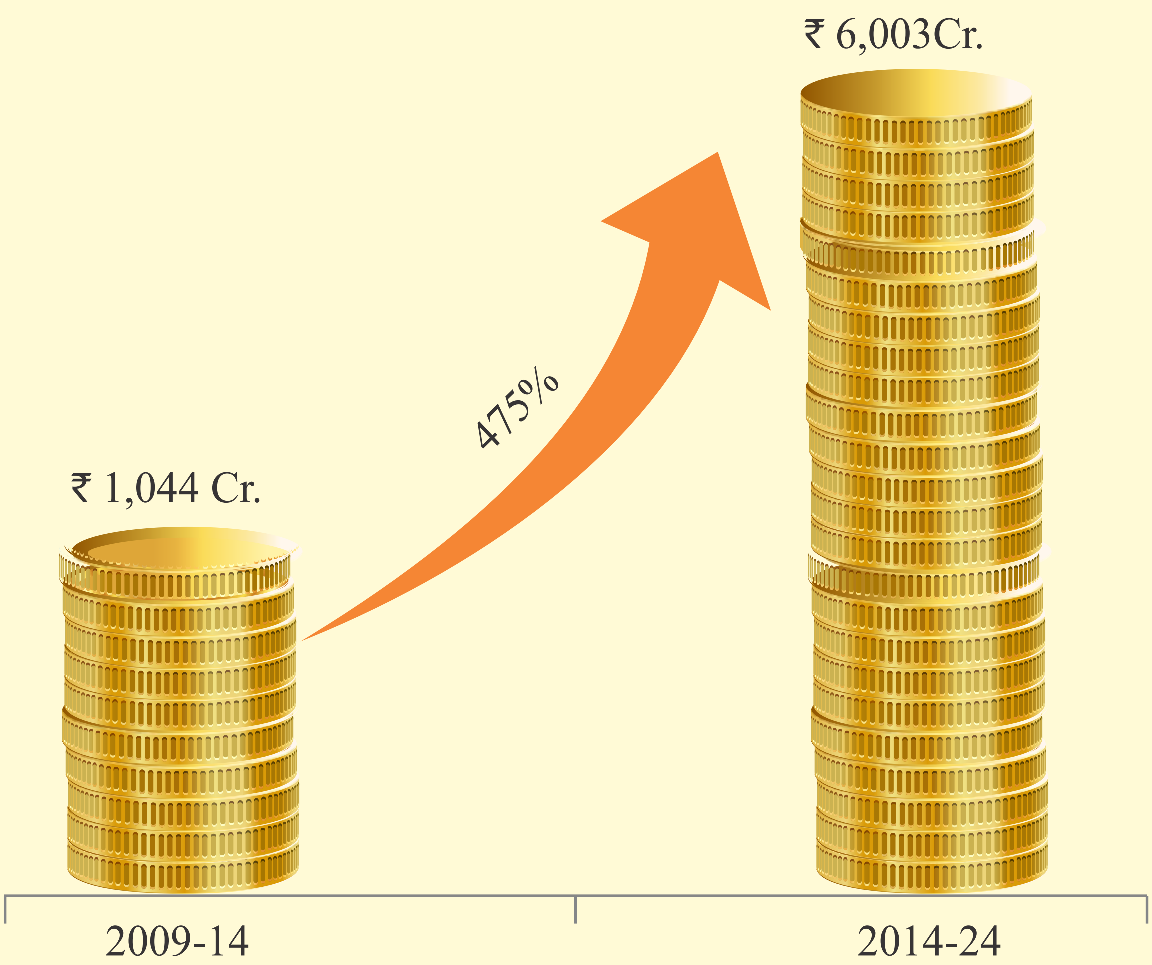

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

वर्ष 2014-24 के दौरान पूर्ण किये गये कार्य

- 25 कि.मी. नई रेल लाइन (यू.एस.बी.आर.एल. प्रोजेक्ट का उधमपुर–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा सेक्शन) का कार्य पूर्ण
- 15 कि.मी. दोहरीकरण का कार्य पूर्ण

अन्य कार्य प्रगति पर

- 272 कि.मी की नई रेल लाइन जिसकी लागत लगभग ₹ 37,012 करोड़ है
- बाड़ी ब्राहमणां में लगभग ₹ 69 करोड़ की लागत से फ्रेट टर्मिनल का विकास
- जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर लगभग ₹ 222.9 करोड़ की लागत से दूसरा प्रवेश द्वार और कोच अनुरक्षण टर्मिनल का विकास
- जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के पुर्नविकास कार्य का प्रावधान

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

विद्युतीकरण

लाभ

- ❖ रेलगाड़ियों की गति में वृद्धि
- ❖ पर्यावरण अनुकूल
- ❖ ईंधन की बचत और कम ऊर्जा लागत

वर्ष 2009–14 के दौरान

- ❖ शून्य

वर्ष 2014–24 के दौरान

- ❖ 178 रुट कि.मी. विद्युतीकृत
- ❖ बनिहाल – बारामुला के बीच 137 रुट कि.मी. विद्युतीकरण कार्य प्रगति पर

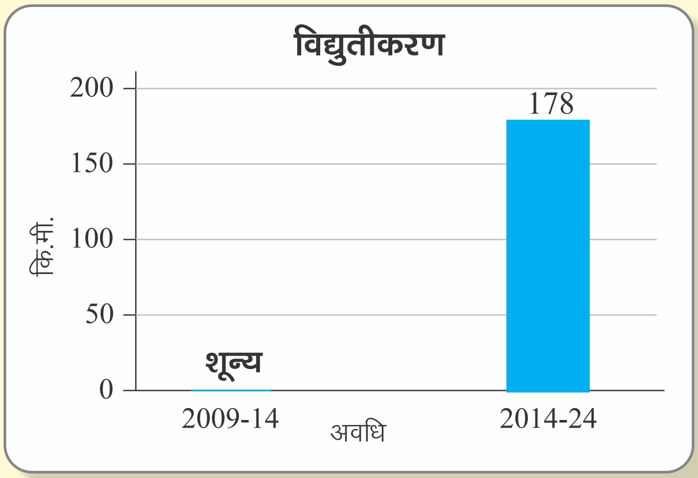

डीजल पर निर्भरता कम करते हुए रेलगाड़ियों की गति को बढ़ाने के लिए विद्युतीकरण

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय रेल परियोजना

परियोजना के बारे में

जम्मू – ऊधमपुर – कटड़ा – काजीगुंड – बारामुला राष्ट्रीय रेल लिंक परियोजना कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ेगी यह परियोजना जनवरी 2024 तक पूर्ण होने की सभांवना है।

कुल लम्बाई : 272 कि.मी.

बेहतर निष्पादन एवं निगरानी के लिए कार्य को चार भागों में बांटा गया है

1. **ऊधमपुर–कटड़ा (25 कि.मी.):**
   कार्य पूरा हो गया है और जुलाई, 2014 में लाइन शुरू हो गयी है

2. **कटड़ा–बनिहाल (111 कि.मी.):**
   कार्य प्रगति पर है

3. **बनिहाल–काजीगुंड (18 कि.मी.):**
   कार्य पूरा हो गया है और जून, 2013 में यह लाइन खोल दी गयी है। जिसमें 11.2 कि.मी. लम्बी टी–80 पीरपंजाल टनल भी शामिल है

4. **काजीगुंड–बारामुला (118 कि.मी.):**
   कार्य पूरा हो गया है और यातायात के लिए खोल दिया गया है

उधमपुर श्रीनगर बारामूला
न्यू रेल लिंक (बी.जी.) प्रोजेक्ट

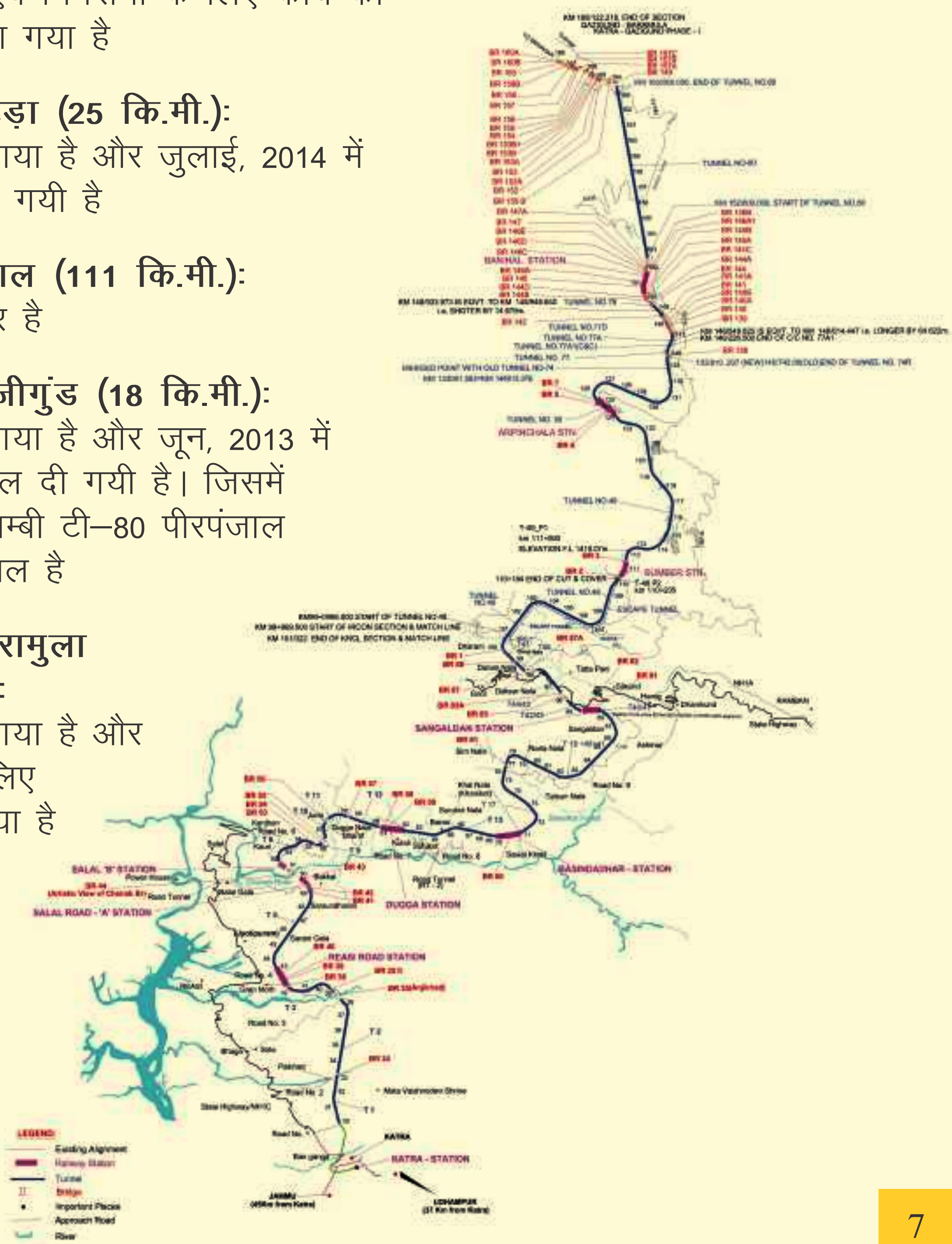

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

कटड़ा–बनिहाल सेक्शन की प्रमुख विशेषताएं

- देश की सबसे लम्बी ट्रांसपोर्टेशन टनल (12.76 किमी.) (15.02.2022 को सफल मुकाम हासिल किया और लाइनिंग कार्य पूरा होने वाला है। बीएलटी कार्य प्रारंभ हो गया है)
- 111 कि.मी. लम्बे कटड़ा–बनिहाल सेक्शन पर 97 कि.मी. रेलमार्ग टनलों से गुजरेगा
- इसके अलावा 67 कि.मी. तक एस्केप टनलें भी बनाई जा रही हैं
- इस सेक्शन के कुल 7 स्टेशनों में से कई स्टेशन या तो टनल में स्थित हैं या फिर ब्रिज के उपर
- इस परियोजना के निर्माण और नियोजन के लिए दुनिया की सबसे उन्नत और आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें आने वाली चुनौतियां बेहद कठिन हैं और इससे पहले कभी ऐसी चुनौतियां नहीं देखी गयीं
- इस सेक्शन में चिनाब ब्रिज भी शामिल है जोकि नदी तल से 359 मी. ऊपर स्थित होने के कारण दुनिया का सबसे ऊँचा ब्रिज है। यह कुतुब मीनार और एफिल टावर दोनों से ऊँचा है
- भारतीय रेलवे पर पहला केबल ब्रिज–अंजी ब्रिज, भी इस परियोजना का हिस्सा है
- जम्मू और कश्मीर में अप्रोच रोड के तौर पर कुल 205 कि.मी. सड़कों का निर्माण भी शामिल है जोकि 2000 करोड़ रूपये की लागत पर पूरा किया गया

कार्य	स्कोप (कि.मी.)	कार्य पूरा 30.01.2023 (कि.मी.)	शेष 01.02.2023 (कि.मी.)
मुख्य टनल	97	96.96	0.52
निकास टनल	67	65.90	0.41
बड़े ब्रिज	26	21	5
छोटे ब्रिज	11	11	शून्य
पहुंच सड़कें	205	205	शून्य

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

चिनाब ब्रिज

- यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है जिसकी लम्बाई 1315 मीटर और सेन्ट्रल आर्च स्पैन 467 मीटर हैं। चिनाब नदी के ऊपर बनाया गया यह प्रतिष्ठित पुल समुद्र तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर निर्मित किया गया है । यह कुतुब मीनार (72 मीटर ऊंचाई) और एफिल टॉवर (324 मीटर ऊंचाई) से अधिक ऊंचा है। पुल को 266 किमी. प्रतिघंटा विन्ड स्पीड के लिए डिजाइन किया गया है और यह जोन 5 के भूकंप को सहन कर सकता है
- चिनाब पुल के स्टील आर्च, ट्रेस्टल एवं पियर्स का इरेक्शन अगस्त 2013 को कमीशन किया गया
- 467 मीटर लम्बे आर्च स्पैन को जोड़ना पुल के निर्माण का सबसे कठिन कार्य था। आर्च के कार्य का समापन समारोह अप्रैल 2021 में आयोजित किया गया
- दूसरी सबसे बड़ी उपलब्धि डैक का ''गोल्डन ज्वाइंट'' था। 785 मीटर लम्बा डैक सुपरस्ट्रक्चर कौरी एवं बक्कल दोनों छोर से प्रारंभ किया गया और अंत में आर्च के साथ जोड़ा गया। गोल्डन ज्वाइंट कार्यक्रम 13 अगस्त, 2022 को आयोजित किया गया
- चिनाब पुल के ऊपर ब्लास्ट–लैस ट्रैक लिंकिंग कार्यकलाप 2,487 स्पीपर्स का उपयोग करके पूरा किया गया।

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

अंजी ब्रिज

- अंजी पुल, भारत का पहला केबल–स्ट्रेयड रेल ब्रिज कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में हिमालय के विशाल पर्वतों के चुनौतीपूर्ण भूभाग में निर्मित किया जा रहा है
- यह 725 मीटर कुल लम्बाई के सङ्गथ एक असमप्रमाणित केबल–स्ट्रेयड ब्रिज है जिसमें 473 मीटर लम्बे असमप्रमाणित केबल स्ट्रेयड ब्रिज शामिल है जो फाउंउेशन के शीर्ष से 193 मीटर ऊंचाई के सेन्ट्रल पायलान के एक्सिस पर संतुलित हैं और रिवर बेड के ऊपर 331 मीटर की ऊंचाई पर खड़े हैं
- केबल स्टे ब्रिज में उत्तर की तरफ (कटरा साइड) 290 मीटर का स्पैन है जबकि दक्षिण की तरफ (रियासी की तरफ) 183 मीटर स्पैन है। ब्रिज में सिंगल रेलवे लाइन है और इसमें ब्लास्टलैस ट्रैक एवं 3.75 मीटर चौड़ी सर्विस रोड है
- जब इस पुल के सभी 96 केबल को 26 अप्रैल, 2023 को रिकार्ड 11 माह की अवधि के भीतर सफलतापूर्वक उनकी स्थिति पर स्थापित किया गया तब एक इतिहास बना
- अप्रैल 2023 तक कुल 47 सेगमेंट में से 44 सेगमेंट को प्रारंभ किया गया है

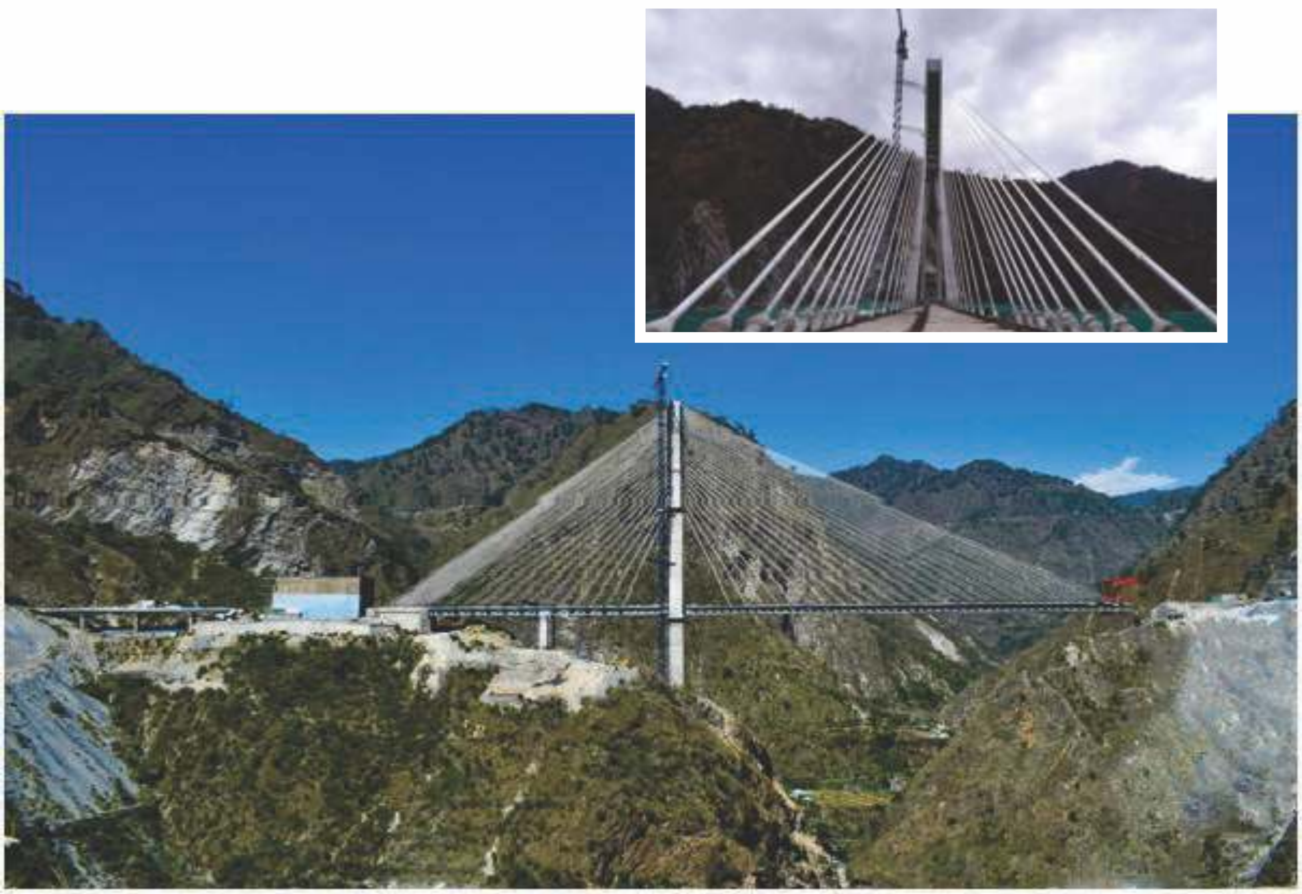

अंजी ब्रिज

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

कटरा–बनिहाल सैक्शन में मुख्य रूप से टनलिंग शामिल

- इसमें 27 मेन टनल और 8 एस्केप टनल हैं। कुल टनलिंग कार्य 164 किमी. के बराबर है
- सुम्बर–अर्पिनचाला टी–49, 12.75 किमी. भारत में सबसे बड़ा ट्रांसपोर्टेशन बनने के लिए तैयार है
- 25 टनल की सफलता हासिल की गई
- टनल लाइनिंग एवं ट्रैक जोड़ने का कार्य चल रहा है

टनल बोरिंग कार्य

टनल लाइनिंग कार्य

मेल टनल टी–13 का सफलतापूर्वक समापन

टनल टी–48 का सफलतापूर्वक समापन

भारत के सबसे लम्बी टनल टी–49 का सफलतापूर्वक समापन

टनल टी–14 का सफलतापूर्वक समापन

यात्री सुविधाओं पर विशेष बल

माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, डॉ० हर्षवर्धन और माननीय केन्द्रीय रेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, श्री पीयूष गोयल, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ करते हुए

वैथ ब्रिज पर बारामूला-बनिहाल डी.ई.एम.यू. रेलगाड़ी

कोविड–19 : यात्री केन्द्रित सेवाएं

श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां

❖ कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और अन्य लोगों को उनके घरों तक पहुँचाने के लिए 31 श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गयी

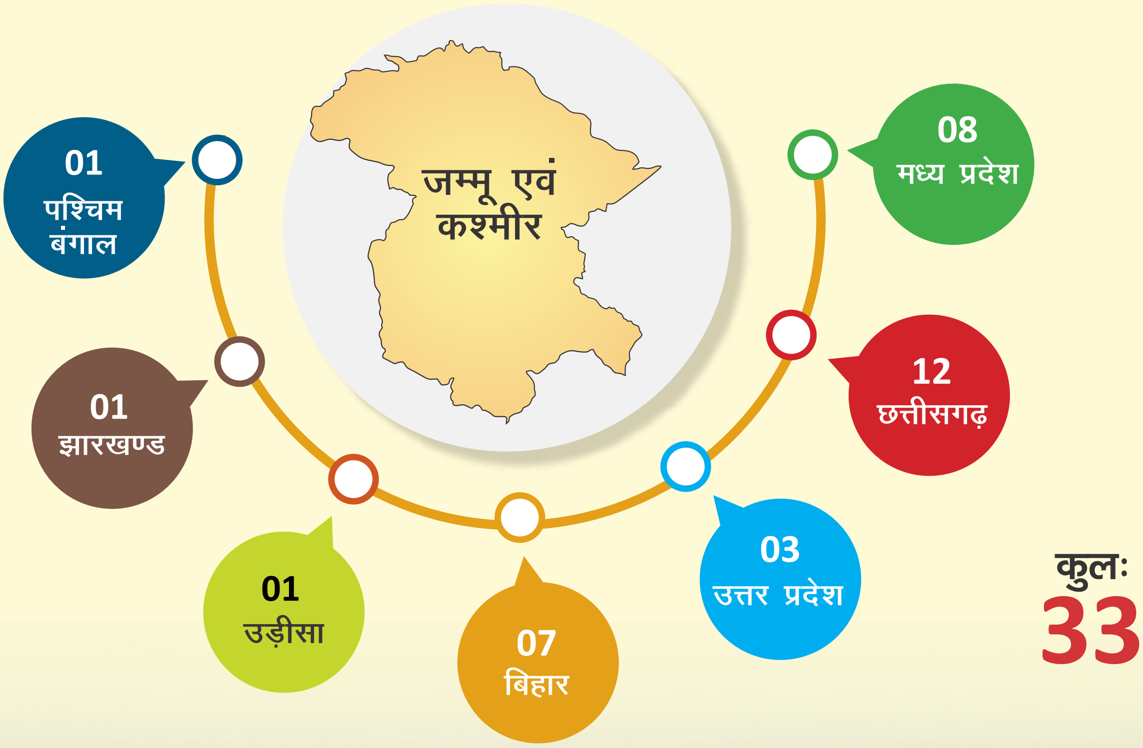

यात्री सुविधाएं

वर्ष 2009–14 के दौरान

- एस्केलेटर – शून्य
- लिफ्ट – शून्य

वर्ष 2014–24 के दौरान

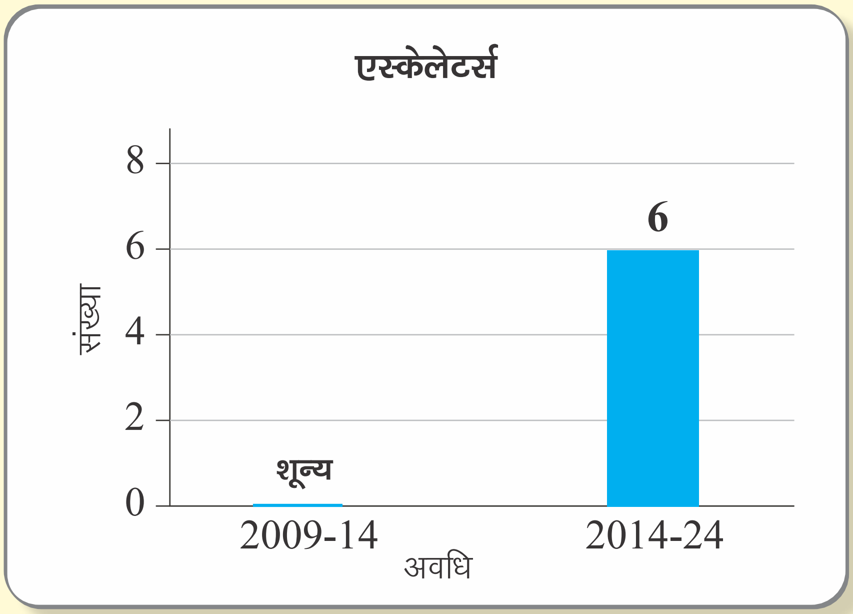

स्टेशनों पर 6 एस्केलेटर लगाये गये

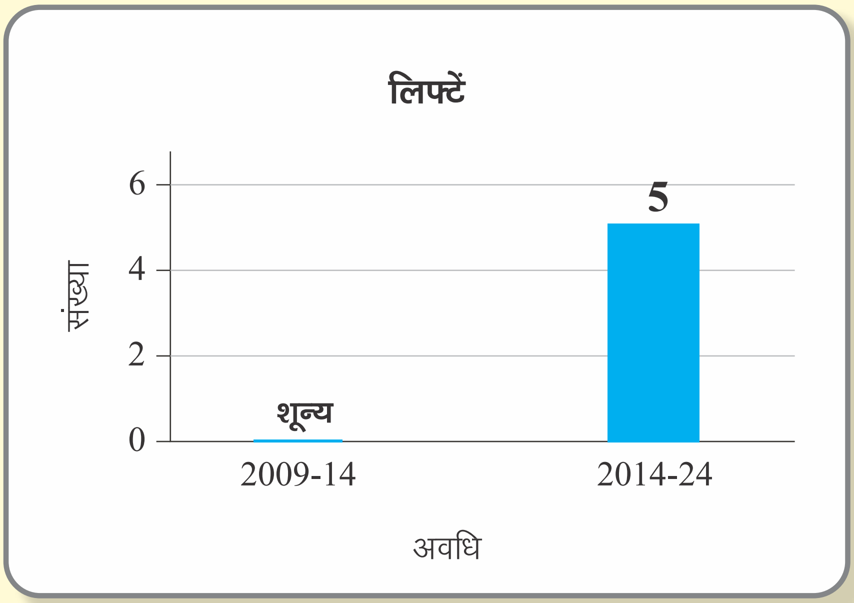

स्टेशनों पर 5 लिफ्टें लगाई गई

यात्री सुविधाएं

वर्ष 2014-23 के दौरान पूर्ण किये गये कार्य

- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर 2 एवं जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर 4 एस्केलेटर्स लगाए गये

श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर एस्केलेटर

जम्मू स्टेशन पर लिफ्ट

- जम्मू तवी पर 2 एवं श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशनों पर 3 लिफ्टें लगाई गई

- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर अग्रभाग सहित पूरे स्टेशन भवन का सुधार

श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन का प्रवेश द्वार

यात्री सुविधाएं

वर्ष 2014-24 के दौरान पूर्ण किये गये कार्य

- ❖ हीरा नगर रेलवे स्टेशन पर नये फुट ओवर ब्रिज व हाई लेवल प्लेटफॉर्म का प्रावधान
- ❖ हीरा नगर रेलवे स्टेशन पर आदर्श स्टेशन स्तर के सभी मानकों के अनुरूप सुविधाएँ
- ❖ पठानकोट–जम्मू तवी सेक्शन पर लेवल क्रॉसिंग गेट के स्थान पर 2 रोड अंडर ब्रिज का प्रावधान
- ❖ बड़गाम, श्रीनगर, काकापोरा, पैम्पोर, काजीगुंड, सदुरा, बिजबियारा, आपटा, मज़होम, पट्टन, हामरे और बारामुला स्टेशनों के परिसंचारी क्षेत्र का नवीनीकरण
- ❖ सासंद निधि के अंतर्गत उधमपुर (200), कठुआ (30), रामनगर जे एंड के (18) आदि स्टेशनों पर कुल 248 कुर्सियों की व्यवस्था

चल रहीं परियोजनाएं

- ❖ तावी नदी के समीप इनफिल्टरेशन गैलरी के द्वारा उद्यमपुर स्टेशन की जल आपूर्ति प्रणाली में सुधार
- ❖ बनिहाल–बारामुला सेक्शन पर पंजगाम स्टेशन पर प्लेटफार्म नं 2 एवं फुटओवर ब्रिज का निर्माण
- ❖ जम्मू तवी रेलवे स्टेशन एरिया में 2 डीप ट्यूब वैल्स का प्रावधान
- ❖ पठानकोट–जम्मू तवी सेक्शन पर लेवल क्रॉसिंग गेट के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज का प्रावधान
- ❖ बाड़ी ब्राहमणीं रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज व हाई लेवल प्लेटफार्म का प्रावधान

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन

स्वच्छ रेल – स्वच्छ भारत

- 'रेल मदद' एप का शुभारंभ
- सभी नामांकित ट्रेनों पर स्वच्छ बिस्तरों का प्रावधान
- 'प्रोजेक्ट स्वर्ण' के तहत विस्तारित यात्री सुविधाओं के साथ सभी एनआर आधारित राजधानी एवं शताब्दी कोच का उन्नयन
- 'प्रोजेक्ट उत्कृष्ट' के तहत विस्तारित यात्री सुविधाओं के साथ सभी योग्य एनआर आधारित आईसीएफ कोच का उन्नयन

कोच वाशिंग प्लांट

मशीनीकृत सफाई

प्लेटफार्म की हाई प्रेशर जेट से धुलाई

डिजिटल इंडिया

Digital India
Power To Empower

तीव्र एवं मुफ्त वाई-फाई

- डिजिटल इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए जम्मू–तवी रेलवे स्टेशन पर मुफ्त वाई–फाई सुविधा उपलब्ध
- फिरोजपुर मंडल में पठानकोट–जम्मू तवी सेक्शन के बीच स्थित 12 रेलवे स्टेशनों पर मुफ्त वाई–फाई की सुविधा

डिजिटल ट्रांजैक्शन

- 16 प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें लगाईं
- टिकट काउंटरों पर BHIM, RuPay, डेबिट कार्ड, ई–वालेट आदि के माध्यम से कैशलेस ट्रांजैक्शन की सुविधा

टिकट काउंटर पर कैशलेस ट्रांजैक्शन के लिए प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें

हरित अभियान

सौर ऊर्जा का उपयोग करना

- स्टेशनों पर 1595 kWp सोलर मॉडयूल लगाये गये
- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर 1,000 kWp ग्रिड कनेक्टेड सोलर मॉडयूल स्थापित किये गये

वर्ष 2009–14 के दौरान

- केवल 4 kWp सोलर मॉडयूल स्थापित किये गये
- ऊर्जा संरक्षण के लिए कोई एलईडी लाइट फिटिंग्स नहीं थी

वर्ष 2014–24 के दौरान

- सभी 33 स्टेशनों पर एल.ई.डी. लाइट लगाई गई हैं (100% कवरेज)

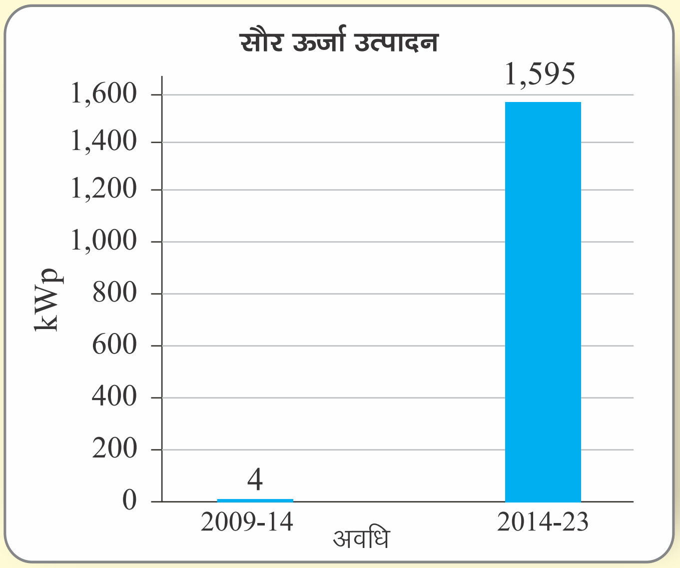

श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पर सोलर पावर पैनल

एल ई डी लाइटों से जगमगाता श्रीनगर रेलवे स्टेशन

यात्री सुरक्षा

- सभी मुख्य स्टेशनों पर एक्स–रे मशीनें लगाई गईं
- मेटल डिटेक्टर के साथ रेल सुरक्षा बल कर्मियों की तैनाती
- महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों के डिब्बों मे विस्फोटक की जांच के लिए स्निफ़र डॉग स्क्वाड की तैनाती
- वर्ष 2014–21 की अवधि के दौरान घर से भागे हुए 83 बच्चों को पहचान कर उनके माता–पिता या एन.जी.ओ. को सौंपा गया जबकि वर्ष 2009–2014 की अवधि में ऐसे बच्चों की संख्या केवल 10 थी
- त्यौहारों और ग्रीष्मकाल के दौरान भीड़ के बेहतर प्रबन्धन हेतु विशेष व्यवस्थाओं के तहत स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई

रेल सुरक्षा बल दस्ते द्वारा कोच की जाँच

पर्यटन

श्रीनगर रेलवे स्टेशन

लकड़ी के पैनलों पर नक्काशी से सुसज्जित श्रीनगर रेलवे स्टेशन का सेन्ट्रल हॉल

अनंतनाग रेलवे स्टेशन

बनिहाल रेलवे स्टेशन

श्रीनगर-बनिहाल रेल सेवा

पर्यटन

कश्मीर घाटी में हर मौसम में उपलब्ध रहने वाला रेल सम्पर्क

काजीगुंड से बनिहाल के बीच पीर पंजाल टनल टी-80 से गुजरने वाली डी.ई.एम.यू. रेलगाड़ी सेवा। पीर पंजाल टनल की लम्बाई 11.2 कि.मी. है और यह भारत की सबसे लंबी रेलवे टनल है

पर्यटन

वर्ष 2014-24 के दौरान कनेक्टिविटी में सुधार

- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एवं उधमपुर को जोड़ने के लिए रेल कनेक्टिविटी
- भारत के विभिन्न भागों से श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा को जोड़ने के लिए कई रेलगाड़ियों की शुरूआत
- बनिहाल – बारामुला सेक्शन पर बड़गाम–मज़होम स्टेशनों के बीच रिजवान में नये हाल्ट स्टेशन की शुरूआत
- बनिहाल – बारामुला सेक्शन पर बड़गाम–मज़होम स्टेशनों के बीच नन्दीगाम में नये हाल्ट स्टेशन की शुरूआत
- बनिहाल – बारामुला सेक्शन पर काकापोरा–आपटा स्टेशनों के बीच रत्नीपोरा में नये हाल्ट स्टेशन की शुरूआत
- रिजवान, नन्दीगाम और रत्नीपोरा आधे स्टेशन की व्यावसायिक दृष्टि शुरूआत नहीं की गई है

कटड़ा को उधमपुर से जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन

बनिहाल स्टेशन से पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला का मनोरम दृश्य

भारतीय रेल • INDIAN RAILWAYS

सत्यमेव जयते